

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH



aglasem.com

Class : 6th

Language : Hindi

Subject : Social-Science-History

Chapter : 4

Chapter Name : क्या बताती हैं हमें किताबें और कब्रें

Book Name : हमारे अतीत

Q1 निम्नलिखित को सुमेल करो :-

- सूक्त

सजाए घर पत्थर
- रथ

अनुष्ठान
- यज्ञ

अच्छी तरह से बोला गया
- दास

युद्ध में प्रयोग किया जाता था
- महापाषाण

गुलाम

- Answer. सूक्त

-

अच्छी तरह से बोला गया
- रथ

-

युद्ध में प्रयोग किया जाता था
- यज्ञ

-

अनुष्ठान
- दास

-

गुलाम
- महापाषाण

-

सजाए गए पत्थर

Page : 44 , Block name : आओ याद करें (short answer questions)

Q2 वाक्यों को पूरा करो :-

- (क) _____ के लिए दासों का इस्तेमाल किया जाता था।
- (ख) _____ में महापाषाण पाए जाते हैं।

(ग) जमीन पर गोले में लगाए गए पत्थर या चट्टान _____ का काम करते थे।

(घ) पोर्ट-होल का इस्तेमाल _____ के लिए होता था।

(ङ) इनामगाँव के लोग _____ खाते थे।

Answer.(क) मालिक की सेवा करने

(ख) दक्कन, दक्षिणी भारत, उत्तर पूर्वी भारत और कश्मीर

(ग) चिन्ह

(घ) पत्थरों से बने हुए कमरे में जाने

(ङ) अनाज, फल और मांस

Page : 44 , Block name : आओ याद करें (short answer questions)

Q3 आज हम जो किताबें पढ़ते हैं वे ऋग्वेद से कैसे भिन्न हैं?

Answer आज हम जो किताबें प्रयोग में लाते हैं वे पहले लिखी गयी हैं तथा छापी गयी हैं जबकि ऋग्वेद का श्रवण तथा उच्चारण किया जाता था। इसकी रचना के कई सदियों बाद इसे लिखा गया था और दो सौ साल पहले इसकी छपाई का कार्य हुआ।

Page : 44 , Block name : आओ चर्चा करें (short answer questions)

Q4 पुरातत्वविद कब्रों में दफनाए गए लोगों के बीच सामाजिक अंतर का पता कैसे लगाते हैं?

Answer - पुरातत्वविद, दफनाए गए लोगों की कब्रों में उनके साथ रखी गयी चीज़ों के आधार पर सामाजिक अंतर का पता लगाते हैं। जैसे ब्रह्मगिरि में एक व्यक्ति की कब्र में सोने के सिक्के और शंख मिले। वहीं दूसरी तरफ एक कब्र में कंकाल के पास मिट्टी के बर्तन मिले। इन कब्रों में से मिली वस्तुएँ ही सामाजिक भिन्नता को दर्शाती हैं।

Page : 44 , Block name : आओ चर्चा करें (long answer questions)

Q5 एक राजा का जीवन दास या दासी के जीवन से कैसे भिन्न होता था?

Answer- एक राजा का जीवन, दास या दासी के जीवन से बिल्कुल अलग था। एक राजा का जीवन वैभव, समृद्धि, सम्पन्नता से परिपूर्ण था जबकि दास या दासी के जीवन में कष्ट था और ऐसा कोई सुख नहीं था। युद्ध में बंदी बनाये गए लोगों को राजा अपना दास/दासी बना लेता था। उन्हें राजा के हर आदेश का पालन करना पड़ता था।

Page : 44 , Block name : आओ चर्चा करें (long answer questions)

प्रश्न 6,7,8 - छात्र स्वयं करें।

aglasem.com